LOK SABHA

Friday, March 17, 1972/Phalguna 27, 1893 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

सशस्त्र सेनाओं के कर्मचारियों के लाभ के लिए प्रस्तावित विभिन्न उपाय

+

*61. **श्री फूलचन्द वर्मा :**
श्री एस० सी० सामन्त :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंगों के कर्मचारियों, जवानों और अधिकारियों के लाभ के लिए प्रस्तावित विभिन्न उपाय क्या है ?

रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन) में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : सम्भवतः माननीय सदस्यों का आशय सशस्त्र सेनाओं के कार्मिकों के वेतन और भत्तों से है। यदि ऐसा है तो स्थिति यह है कि सशस्त्र सेनाओं के कार्मिकों के लिए नकद तथा अन्य रूप से दिए जाने वाले लाभों सहित उनकी वेतन-संरचना और मृत्यु तथा उपदान लाभ पहले ही से वेतन आयोग के विचाराधीन है।

श्री फूलचन्द वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहूँगा कि अन्य केन्द्रीय कर्मचारियों के वेतन भत्ते के संबंध में जो विचार किया जा रहा है, वेतन आयोग जिसके संबंध में अपनी पूरी रिपोर्ट देगा, क्या वे इस बात का प्रयत्न करेंगे कि सेना के तीनों अगों के जो जवान है उनके लिए वेतन आयोग अपनी रिपोर्ट पहले दे दे ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : मै नही समझता इस तरह की कोई संभावना है। यदि हम प्रयत्न भी करें तो भी इसकी संभावना नहीं है कि वेतन आयोग, जिसके पास इतना बड़ा काम है, वह पहले हमारे सशस्त्र सेनाओ के जवानों के लिए अपनी रिपोर्ट दे देगा। पर जैसा माननीय सदस्य को मालूम है कि इसके पहले अंतरिम राहत दी जा चुकी है तथा हम लोग ऐसा समझते है कि वेतन आयोग की जो सिफारिशें है वह बहुत जल्दी हमारे पास आने वाली है और जैसे ही वह आ जायेंगी, हमे उस पर निर्णय करने मे आसानी होगी। कुछ दिनों के फर्क से इसमे कोई अन्तर पड़ने वाला नही है।

श्री फूलचन्द वर्मा : मै मंत्री महोदय से दूसरी बात यह जानना चाहता हूँ कि जो पारिवारिक पेंशन आप जवानो को देते हैं उसमे सिर्फ पत्नी और उसके बच्चे ही शामिल रहते है लेकिन क्या शासन इस बात पर विचार कर रहा है कि जवानो के अन्य आश्रितों के लिए भी पेंशन योजना बनाई जाये जिससे कि उनके बूढे माता पिता, अन्य छोटे भाई बहन इत्यादि जो उन पर आश्रित रहते है, उनको भी वह लाभ मिल सके ? क्या सरकार इस तरह की कोई योजना बना रही है ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : जो अभी पेंशन योजना है उसमे इस बात का प्राविधान है और यहाँ पर भी जो उनके आश्रित लोग हैं उनको उसका लाभ मिल सके। मैं समझता हूँ इसको जारी रखा जायेगा।

SHRI S C SAMANTA We want to know about the various welfare measures for these personnel I would like to know the recommendations of the Third Pay Commission which were fully accepted, partially accepted and not accepted and the reasons for non-acceptance of those recommendations.

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : The report of the Third Pay Commission is yet to be received. Therefore, the question of accepting or non-accepting the recommendations does not arise at this stage That will arise after the recommendation of the Third Pay Commission has been received by us

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मै जानना चाहता हूँ क्या यह बात सच है कि विभिन्न राज्यो मे, सरकार की जो पडती जमीने है उसे जवानो के नाम बन्दोबस्त करने का नियम है ? यदि यह बात सच है तो क्या आप बता सकेंगे कि कितने जवानो को इस तरह की मदद जमीन के रूप मे मिली है ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : इस बात का प्रावधान है कि जो सेवामुक्त सैनिक इत्यादि है, जिनकी सहायता करनी है, उनको खेती के योग्य जमीन दी जाये । यह जरूरी नही है कि पडती जमीन दी जाये बल्कि हम चाहते है खेती के योग्य जमीन दी जाये । पर इस समय मेरे पास इस बात के आँकडे नही है कि कितनी जमीन कितने लोगो को दी गई है । यदि माननीय सदस्य अलग से प्रश्न पूछेंगे तो उन्हे पूरी सूचना दे दी जायगी ।

पाकिस्तान द्वारा भारतीय युद्धबन्दियो की तथा कथित हत्या

+

*62 **श्री शिव कुमार शास्त्री :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को इस आशय के समाचार प्राप्त हुए है कि पिछले युद्ध मे पाकिस्तान मे बन्दी बनाये गये भारतीय सैनिको के साथ जेनेवा कन्वेंशन के अनुरूप व्यवहार नही किया जा रहा है और पाकिस्तान मे बन्दी बनाये गये अनेक घायल भारतीय सैनिको की हत्या कर दी गई है; और

(ख) यदि हाँ, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन) में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) भारतीय सैनिको के साथ पाकिस्तानियो द्वारा किये गये कथित अमानवीय व्यवहार के सबंध मे रिपोर्टें प्राप्त हुई है ।

(ख) इसकी जाँच करने और इसमे हस्तक्षेप करने के लिए भारतीय रेडक्रास की अन्तर्राष्ट्रीय समिति के साथ यह मामला उठाया गया है ।

श्री शिव कुमार शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ यदि सीमा परिधि से बाहर न हो तो वे बताये कि उनकी जानकारी के स्रोत क्या है ? दूसरी बात मे यह जानना चाहता हूँ अमानवीय व्यवहार मे क्या अत्यन्त रोगी और घायल सैनिको की जीवन समाप्ति तक ही है ?

तीसरी बात यह है कि अभी थोड़े दिन पहले अत्यन्त रोगी सैनिको का आदान-प्रदान हुआ है । क्या उनसे जानकारी प्राप्त की गई है कि उनके साथ किस तरह का व्यवहार हुआ और उनकी देखभाल और औषधियो आदि की व्यवस्था क्या ठीक रही ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : जहाँ तक अमानवीय व्यवहार की सूचना का संबंध है और उसके आधार का सबंध है, ये सूचनाये हमने स्वय एकत्रित की है और यह सही और पक्की सूचना होने के बाद ही उसको अन्तर्राष्ट्रीय रेड क्रास के सामने पेश किया है ।